प्रतिभा सम्मान समारोह आज

उदयपुर, । मेवाड आदिवासी भील समाज प्रतिभा सम्मान समारोह समिति, उदयपुर द्वारा समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने हेतु द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आज रविवार, 03 अगस्त 2025 को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम उदयपुर स्थित टाउन हॉल के सुखाड़िया रंगमंच पर भव्य रूप से संपन्न होगा। समिति के अध्यक्ष डॉ. गणेश लाल कुरिया एवं सचिव तुलसीराम मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत भील समाज की 450 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान उन प्रतिभाओं को दिया जाएगा जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, कला, खेल, संस्कृति, राजकीय सेवा तथा वन्य जीव संरक्षण जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

डूंगरपुर में एक शाम स्वच्छता के नाम भव्यता से संपन्न, संगीत संध्या भी सजी

■ नगर परिषद डूंगरपुर और शहर के उभरते गायकों का बहुमान किया

डूंगरपुर। भाविप तिलक शाखा द्वारा शहर की निकाय को राष्ट्रपति द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण में पहले पायदान पर आने हेतु सम्मानित करने पर आयोजित एक शाम स्वच्छता के नाम सभापति अमृतलाल कलासुआ के मुख्य आतिथ्य में भव्यता पूर्ण संपन्न।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उपखंड अधिकारी सावरमल जी,उपसभापति सुदर्शन जैन का सानिध्य रहा। स्वागत उद्बोधन शाखा सचिव चिराग व्यास ने दिया।संगीत संध्या का सफल संचालन गिरीश जोशी ने दिया और उनका साथ राजेश पंड्या ने दिया। एंकर गिरीश जोशी ने शाखा अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल के नेतृत्व में तिलक शाखा के तीन वर्षों के कार्यकाल में किए सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला। तिलक शाखा के अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल,सचिव चिराग व्यास एवं शाखा के सदस्यगण ने सभापति अमृतलाल कलासुआ, उपखंड अधिकारी सावरमल जी, उपसभापति सुदर्शन जैन,एकाउंटेंट कुलदीप सिंह,जैन राजेंद्र सिंह, प्रकाश महावर एवं सफाई निरीक्षक का साफे, उपरने एवं प्रतीक चिन्ह से भव्य स्वागत किया साथ ही नगरपरिषद के पार्षद बृजेश सोमपुरा,भूपेश शर्मा,जयेश लोदावरा, भरत जोशी,राजेश रोत,अशोक चौबीसा, धर्मिष्ठा श्रीमाल,हीना जोशी, फरजाना, प्रियंका ,पायल बासड़,शहनाज, सलमा बानो का उपरने से अभिनंदन किया।कलाकारों का स्वागत अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्व बालकृष्ण व्यास को संगीत के नगमों से स्वागत की स्व व्यास का जीवन व्रत धर्मेश व्यास द्वारा किया गया। एक शाम स्वच्छता के नाम शहर के कलाकारों धर्मेश व्यास - जाने कहां गए वो दिन,जगदीश उपाध्याय- जहां तक ये मन को,नीता जोशी - मैक्सेप मिस सॉन्ना,जयराज - आज दिल पे कोई जोर,धर्मेश व्यास - दुनिया बनाने वाले,डूंगरपुर के मशहूर एंकर और गीतगायक गिरीश जोशी - जब तक मैने समझा ,मुकेश भट्ट - रही मनवा दुख की,रूपेश शाह - मत कर माया का,जगदीश - जिंदगी प्यार का गीत है,बद्री सुथार - कौन सुनेगा,जयेश पंड्या - ओ माजी रे अपना किनारा,युगल गीत नीता जोशी/धर्मेश - तू जो मेरे सुर में,हितेश भंडारी - वो जब याद आए,युगल गीत जयना उपाध्याय/गिरीश जोशी - जिंदगी हर कदम,धर्मेश व्यास - किसी की मुस्कुराहटों पे,रोशनी पंड्या - नाम गुम जाएगा,जयराज दोषी - अखियों को रहने दो,जगदीश/धर्मेश व्यास - एक दिन बिक जाएगा,गिरीश जोशी - क्या खबर क्या पता,रूपेश शाह - जिंदगी कैसी है ।

नमाज़े फ़ज़र के देग का खाना तकसीम किया

कपासन । प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. का 84वां तीन दिवसीय उर्स कुल की फातिहा के साथ सम्पन्न हुआ।

दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार रविवार बाद नमाज़े फ़ज़र के देग का खाना तकसीम किया। 08:00 बजे शाही महफिलखाना में महफिले मीलाद पाक स.अ. के बाद बारी-बारी कव्वाल पार्टियों ने अपने-अपने अंदाज में सुफियाना कलाम पेश किया। आखिर मे 43 कव्वाल पार्टियों ने मिलकर हज़रत महबूबे ईलाही निजामुद्दीन औलिया देहलवी के मुरीदे खास 8 सुल्तानों का राज देखने वाले खडी बोली के जनक, तूतीऐ हिन्द (हिन्दुस्तान का तोता) हज़रत अमीर खुसरो र.अ. ने 700 साल पहले लिखे अपना कलाम "आज रंग हे री माँ रंग हे री, मेरे महबूब के घर रंग हे, ऐसो पीर पायो निजामुद्दीन औलिया", मै तो ऐसो पीर और नही देखियो री पढा तो जायरीने दीवाना पर वज्द तारी हो गया और आशिके दीवाना ने दीवाना वार होकर ईनाम के तौर पर रूपयो की बारिश कर दी।

दरगाह वक्फ कमेटी के सदर अनवर अहमद छीपा के अनुसार दरगाह वक्फ कमेटी के नायब सदर मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी ने केन्द्र सरकार, राजस्थान सरकार, जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगरपालिका, बिजली, पानी, रोडवेज विभाग एवं रेल्वे अधिकारियो के साथ वॉलियन्टियर्स, कर्मचारी, कार्यकर्ताओ का शुक्रिया अदा कर कुल की फातिहा मे शिजरा पढकर पूरे मुल्क मे हुजूर स.अ.व., औलियाऐ किराम एवं बाबा हुजूर के वसीले से अमनो सुकून की दुआ की तो पूरा दरगाह परिसर आमीन-आमीन (ऐसा ही हो, ऐसा ही हो) की सदा से गूंज उठा। जगह-जगह कुल के छीटों के लिये फव्वारा सिस्टम की व्यवस्था के साथ ही 100 कार्यकर्ताओ ने कुल के छींटे लगाये। कुल के छींटो के साथ ही हर व्यक्ति यह सोचकर घर को रवाना हो गया की बाबा हुजूर ने मुझे स्वयं विदाई दी हो।

इस अवसर पर राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ के चेयरमेन डॉ. खानूखान बुधवाली ने कहा कि उर्स से आपसी भाईचारा बढ़ता है, हिन्दु-मुस्लिम कोमी एकता की मिसाल हज़रत दीवाना शाह के उर्स मे देखने को मिलती है। उन्होने समाज मे शिक्षा को बढ़ावा देने व दरगाह कमेटी द्वारा किए जा रहे कार्यो की सराहना की।

महमानाने खुसुसी:- राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ के सदस्य हाजी युसूफ खाँ, दरगाह हज़रत गरीब नवाज़ के सैयद वाहीद अंगारा शाह सचिव अंजुमन, सैयद मुर्शरफ चोधरी, राष्ट्रीय कांठोस सचिव धीरज गुर्जर, स्थानिय पंचयात समिति प्रधान भेरूलाल चोधरी, भीलवाडा के उद्योगपति याकूब खाँ आदि मोजूद थे।

उदयपुर में अगरबत्ती नाटक का मंचन किया

उदयपुर, । पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्यय संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत रविवार को 'अगरबत्ती' नाटक का मंचन किया गया। दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में इस प्रस्तुति को खूब सराहा गया।

पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फ़ुरकान खान ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्यय संध्या रंगशाला के अंतर्गत समागम रंगमंडल जबलपुर मध्यप्रदेश द्वारा 'अगरबत्ती' नाटक का मंचन रविवार को शिल्पठााम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में किया गया। इस नाटक के लेखक आशीष पाठक एवं निर्देशक स्वाति दुबे है। यह नाटक वर्ण और लिंग के भेदभाव से जुड़े नारी अत्याचार के सुलगते प्रश्न खड़े करता है और फिर इनका समाधान प्रस्तुत करता है। अगरबत्ती भारतीय समाज में वर्ग, वर्ण और जेंडर के प्रश्न कों एकसाथ उजागर करने का प्रयास है। विषय वस्तु के तौर पर इन तीनों को नाटक में कहीं भी अलग अलग करके नहीं देखा जा सकता। रंगमंच प्रेमियों ने केन्द्र की प्रशंसा की और ऐसे आयोजन करने के लिए धन्यवाद किया। अंत में सभी कलाकारों का सम्मान किया गया।

इस नाटक में ठकुराईन का किरदार स्वाति दुबे, सुमन का शैवी सिंह, पार्वती का एकता चौरसिया, कौशल्या का वंशिका पाण्डे, लज्जो का अंजली शर्मा, दमयंती का हर्षिता गुप्ता, कल्ली का सृष्टि पोगड़े, नन्ही बाई का साक्षी गुप्ता, हीरा का मयूर तिवारी, सोहन सिंह का वंदित सेठी, लालाराम ठाकुर का हिमांशु तिवारी, सुर्जन ठाकुर का शिवाकर सापरे, शिवपाल ठाकुर का अर्पित खटीक, बंशी ठाकुर का हिमांशु तिवारी ने किरदार निभाया।

कार्यक्रम में केन्द्र के सहायक निदेशक (वित्तीय एवं लेखा) दुर्गेश चांदवानी, सी.एल. सालवी, राकेश मेहता, सिद्धांत भटनागर सहित शहर के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दुर्गेश चांदवानी ने किया।

इस नाटक की शुरूआत अगरबत्ती के एक कारखाने से होती है। जहां उन ठाकुरों की विधवाएं काम करती है जिनकी फूलनदेवी द्वारा हत्या कर दी जाती है। पति की मौत का बदला लेने के लिए वह दमयंती कारखाने में काम करने वाली महिलाओं का ठ्रुप बनाकर फूलन देवी की हत्या करने की योजना तैयार करती है। लेकिन कोई भी उसका साथ नहीं देती है। तभी दमयंती बचपन में हुई चाइल्ड एब्यूज की घटना याद करती है और पति द्वारा किए गए गलत काम के लिए उसकी अस्थि भस्म को अगरबत्ती के मसाले में मिला देती है। इस दौरान दमयंती सोचती है कि जिस तरह पापी व्यक्ति पाप करते समय रहम नहीं करता है उसी तरह उस पापी को भी तिल-तिल कर अगरबत्ती की तरह जलना चाहिए।

बीज नहीं, उम्मीदें बोईं : सीड बॉल थ्रॉ में उमड़ा पर्यावरण प्रेम

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ की धरती पर रविवार को प्रकृति के लिए एक नई पहल ने जन्म लिया, जब भारत विकास परिषद द्वारा वन विभाग की नर्सरी में आयोजित सीड बॉल थ्रॉ कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग ने मिलकर हरियाली का संकल्प लिया। इस आयोजन में प्रतिभागियों ने हजारों सीड बॉल्स प्राकृतिक भू-भागों पर फेंक कर न केवल बीज बोए, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक हराभरा संदेश भी रोपित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपवन संरक्षक हरिकिशन सारस्वत ने कहा कि भारत का विकास तभी संभव है जब वन सुरक्षित और समृद्ध हों। यह चिंता का विषय है कि जिन वृक्षों से हमें जीवन मिलता है, उन्हें हम कुछ ही मिनटों में काट डालते हैं। पेड़ बनने में बीस वर्ष लगते हैं, पर उन्हें नष्ट करने में केवल बीस मिनट इस मानसिकता में बदलाव अत्यावश्यक है। सारस्वत ने प्रतापगढ़ जिले में वन विभाग द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग ने 2,254 हेक्टेयर भूमि में 5 लाख 77 हजार पौधों का रोपण किया है, वहीं 9 लाख 33 हजार पौधों का बीजारोपण भी किया गया है। इसके साथ ही विभाग द्वारा 250 हेक्टेयर वन भूमि से अतिक्रमण हटाने में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद अध्यक्ष जाकिर हुसैन हकीम ने की।

संपर्क से ही होता है संस्कारों का निर्माण : मुनिश्री युगप्रभ जी

निम्बाहेड़ा। शांति नगर स्थित नवकार भवन में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैन संत मुनिश्री युगप्रभ जी महाराज साहब ने कहा कि जीवन का निर्माण केवल चर्चा या बातों से नहीं, बल्कि पुरुषार्थ से होता है। वर्तमान समय में मनुष्य परिश्रम तो करता है, किंतु वह परिश्रम जीवन-निर्माण के लिए नहीं, केवल जीवन-निर्वाह के लिए होता है।

उन्होंने कहा, "संपर्क से संस्कार बनते हैं, संस्कारों से आचार बनते हैं, आचार से विचार बनते हैं और विचारों से ही व्यक्तित्व का निर्माण होता है। जैसे-जैसे हमारे विचार होते हैं, वैसा ही हमारा जीवन बन जाता है।" मुनिश्री ने यह भी कहा कि पानी की एक बूँद जब मिट्टी पर गिरती है तो वह उसे कोमल बना देती है, जब गरम तवे पर गिरती है तो भाप बन जाती है; जब साँप के मुंह में पड़ती है तो विष बन जाती है; और यदि सीप में गिरती है तो मोती बन जाती है। इसी प्रकार, मनुष्य जिस संपर्क में आता है, वैसा ही उसका जीवन आकार लेता है। मुनि श्री ने मित्रता को जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा, "मित्रता को मजबूत बनाने के लिए समय पर सहना आवश्यक है। जैसे उड़ती पतंग को समय पर डोर दी जाती है, वैसे ही समय पर सहने से मित्रता गहरी होती है। दीपक चाहे मिट्टी का हो या सोने का, उसका मूल्य प्रकाश से तय होता है। उसी प्रकार मित्र चाहे गरीब हो या अमीर, उसका मूल्य इस बात से है कि वह कठिन समय में कितना साथ देता है।"

उन्होंने आगे कहा, "जो मोहल्ले को महकाए वह इत्र होता है, और जो जीवन को महकाए वह मित्र होता है।" आज के समय में मित्र उस सरोवर और पक्षी की तरह हो गए हैं जो प्यास लगने पर आते हैं और पानी पीकर उड़ जाते हैं। जबकि पहले के मित्र मोमबत्ती और धागे की तरह होते थे, जो एक-दूसरे के दुख में जलते और जुड़ते थे।

मुनिश्री ने श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा, "जब सुदामा द्वार पर पहुँचे और द्वारपालों से कहा कि "कन्हैया से कह दो, द्वार पर सुदामा आया है" तब उनका आत्मीय स्वागत हुआ।" मुनिश्री ने कहा, "जीवन में केवल "थाली मित्र", "ताली मित्र" और "प्याली मित्र" नहीं, बल्कि "माली मित्र" होना चाहिए, जो जीवन को पुष्पित और पल्लवित करे।" धर्मसभा में पैसठिया छंद का जाप आयोजित किया गया, जिसके लाभार्थी अमर सिंह एवं श्रीमती कुसुम देवी बया परिवार, उदयपुर रहे।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राजस्थान)
क्रमांक:- F.9 ( ) भू.रु./GEN/2025/ दिनांक : 24/7/2025
आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम सवीना, तहसील गिर्वा, जिला उदयपुर की खसरा संख्या 1351 से 1359 में स्थित भूखण्ड संख्या 09 का कुलिया क्षेत्रफल 1500 वर्गफीट है। जिसका कार्यालय उपखण्ड अधिकारी (कृषि भूमि रूपान्तरण) उदयपुर, जिला उदयपुर द्वारा पट्टा संख्या 1865 दिनांक 28/04/1998 से श्री धेमा भील पिता श्री खुमा भील के नाम जारी किया गया। जिससे श्रीमती सरोज पत्नी श्री राजेन्द्र धींग से श्रीमती सुधा देवी तम्बोली पत्नी श्री कन्हैयालाल तम्बोली द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र से उपरोक्त वर्णित भूखण्ड को क्रय किया गया।

जिसमे श्रीमती सुधा देवी तम्बोली पत्नी श्री कन्हैयालाल का स्वर्गवास दिनांक 30-01-2018 को हो गया। प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं पंजीकृत हक त्याग पत्र अनुसार उनके श्री कन्हैयालाल पिता श्री मगनलाल तम्बोली, श्रीमती भावना पुत्री श्री कन्हैयालाल तम्बोली द्वारा अपने पुत्र/भाई श्री इन्द्रेश कुमार ताउवाल पिता श्री कन्हैयालाल तम्बोली के पक्ष में हक त्याग पत्र सम्पादित कर दिया गया है।

श्री इन्द्रेश कुमार ताउवाल पिता श्री कन्हैयालाल तम्बोली द्वारा उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर में मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं पंजीकृत हक त्याग पत्र आदि प्रस्तुत कर उक्त वर्णित भूखण्ड संख्या 09 का उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर में अपने नाम नामान्तरण चाहा गया है।

उक्त राजस्व ग्राम सवीना, तहसील गिर्वा, जिला उदयपुर की खसरा संख्या 1351 से 1359 में स्थित भूखण्ड संख्या 09 का कुलिया क्षेत्रफल 1500 वर्गफीट का श्री इन्द्रेश कुमार ताउवाल पिता श्री कन्हैयालाल तम्बोली, निवासी 18 तम्बोली स्ट्रीट, क्लॉक टॉवर, मोती चौहट्टा, उदयपुर (राज.) के नाम नामान्तरण किये जाने के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/फर्म को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/एतराज हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता एवं संबंधित शाखा प्रभारी को भी सूचित करें अन्यथा बाद गुजरने मयाद नियमानुसार नामान्तरण की अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

(डॉ. अभिनव शर्मा) प्राधिकृत अधिकारी
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के लियों का गुड्डा स्थित परिसर सेवा महातीर्थ में रविवार को 501 दिव्यांग नि:शुल्क शल्य चिकित्सा शिविर एवं भामाशाह सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें विभिन्न प्रान्तों के सेवा मनीषी एवं संस्थान की शाखाओं के प्रभारी मौजूद थे। शिविर का उद्घाटन सेठ दमाजी भाई लक्ष्मीचंद जैन धर्म स्थानक, मुम्बई के ट्रस्टी भरत भाई विरानी ने किया। विशिष्ट अतिथि बड़ौदा के विजय कुमार, अषोक कुमार एवं नीलम दुबे थी। अतिथियों ने संस्थान द्वारा संचालित चिकित्सालयों, निर्धन परिवारों के बच्चों की डिजिटल शिक्षा में समर्पित नारायण चिल्ड्रन एकेडमी, मूक-बधिर बच्चों के हस्तशिल्प केन्द्र, दिव्यांगजन के रोजगारोन्मुख, मोबाईल, सिलाई एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं फिजियोथेरेपी केन्द्र तथा कृत्रिम अंग एवं कैलिपर निर्माण कार्यशाला का अवलोकन किया।